हैं। केन्द्रीय क्षेत्र संघटक में एक केन्द्रीय प्रायोजित योजना शामिल है जिसके अंतर्गत राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजनाओं और परियोजनाएं बनाने और उनका कार्यान्वयन करने हेतु क्षमताओं का विकास किया जाता है। केन्द्रीय प्रायोजित योजना के अंतर्गत राज्य और जिला/ब्लॉक स्तरीय आई०आर०ई०पी० परियोजना सैलों में व्यावसायिक और सहायक स्टाफ, परियोजना रिपोर्ट तैयार करने और इसके विस्तार के प्रावधानों सहित इन स्टाफों के प्रशिक्षण हेतु सहायता-अनुदान उपलब्ध कराया जाता है। राज्य क्षेत्र के परिव्यय का उपयोग प्रदर्शन परियोजनाओं के लिए निधियों, विभिन्न ऊर्जा युक्तियों हेतु वित्तीय प्रोत्साहनों, विस्तार और ब्लॉक स्तरीय एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना के कार्यान्वयन हेतु अन्य संबंधित कार्य कलापों सहित आई०आर०ई०पी० योजनाओं और परियोजनाओं के कार्यान्वयन के लिए किया जाता है। ऊर्जा एवं ग्रामीण विकास तथा अन्य चालू योजनाओं कार्यक्रमों से निधियों एवं संसाधनों का उपयोग आई०आर०ई०पी० के अंतर्गत ब्लॉक स्तरीय एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना के अंग के रूप में यथासंभव आई०आर०ई०पी० ब्लॉकों में किया जाता है।

एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा योजना का मुख्य उद्देश्य विशेष रूप से कमजोर वर्गों हेतु कुकिंग, रोशनी एवं तापन के लिए न्यूनतम ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करना और आई०आर०ई०पी० ब्लॉकों में आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण साधन (इनपुट) के रूप में ऊर्जा उपलब्ध कराना है।

(ख) एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम (आई०आर०ई०पी०) का कार्यान्वयन वर्तमान में उत्तर प्रदेश के 88 ब्लॉकों में किया जा रहा है। भारत सरकार द्वारा 12 अगस्त, 1997 को उत्तर प्रदेश के 10 अतिरिक्त ब्लॉकों में आई०आर०ई०पी० के कार्यान्वयन का अनुमोदन किया गया है। इसके अलावा, उत्तर प्रदेश में इस कार्यक्रम के अंतर्गत एक राज्य स्तरीय आई०आर०ई०पी० सैल, 57 जिला स्तरीय तकनीकी बैकअप यूनिटों, एक राज्य स्तरीय तकनीकी बैकअप यूनिट, 3 राष्ट्रीय पाइलट परियोजनाओं और एक क्षेत्रीय प्रशिक्षण-सह-अनुसंधान एवं विकास केन्द्र की स्थापना की गई है। उत्तर प्रदेश में आई०आर०ई०पी० के कार्यान्वयन हेतु अपारंपरिक ऊर्जा विकास एजेंसी (नेडा), नोडल एजेंसी का काम करती है।

(ग) से (ङ) जी हां। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा वर्ष 1993-94 में चुनिंदा आई०आर०ई०पी० ब्लॉकों में एक स्वतंत्र सरकारी एजेंसी के माध्यम से एकीकृत ग्रामीण ऊर्जा कार्यक्रम की प्रगति का अध्ययन कराया गया था। इस अध्ययन से यह पता चला था कि आई०आर०ई०पी० ब्लॉकों में उन्नत ऊर्जा प्रणालियों और युक्तियों का प्रयोग करने के परिणामस्वरूप ऊर्जा की जो बर्बादी पारंपरिक ऊर्जा प्रणालियों और युक्तियों के प्रयोग से काफी मात्रा में होती थी, पर नियंत्रण करना संभव हुआ है। इसके अलावा इस अध्ययन से यह निष्कर्ष निकला कि इस कार्यक्रम का सकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

Mini Steel Plants in Bihar

578. SHRI S. S. AHLUWALIA: Will the Minister of STEEL be pleased to state:

(a) whether Government have conducted any survey to find out the total number of mini steel plants or electric arc furnace units in the State of Bihar as on date and what is the annual production of steel by such units in the State during the last three years;

(b) the details thereof, district-wise and year-wise;

(c) the number of mini steel plants lying closed in the State as on date; and

(d) the reasons for their closure and the action Government propose to take to reopen these plants in othe State?

THE MINISTER OF STEEL AND THE MINISTER OF MINES (SHRI BIRENDRA PRASAD BAISHYA): (a) to (d) Government have not conducted survey of the electric are furnace based mini steel plants in the recent past. However, as per the available information, there are 5 electric arc furnace based mini steel plants in the State of Bihar. District wise details regarding their production during the last

3 years, number of closed plants and reasons for their closure are as under:

Name & District	Production (in tonnes)			Remarks
	1994-95	1995-96	1996-97	
1. M/s. Bihar Alloys & Steel Ltd., Hazaribagh.	69920	70878	93451 (inclusive of liquid steel for casting)	
2. M/s. Tata Yogogawa Ltd., Singhbhum.	7914	3742	3193	
3. M/s. Usha Martin Industries Ltd., Singhbhum.	64980	75834	134786	
4. M/s. Bihar Foundary & Casting Ltd., Hazaribagh.	7480	18766	7240	Suspended production w.e.f. 3.9.96 through electric arc furnace due to non viability of operation. The unit, however, producing semis through electric induction furnace.
5. M/s. Kashi Ispat Pvt. Ltd., Bhagalpur.	—	—	—	Closed since May'89 (4.5.89) due to disconnection of H.T. line.
6. M/s. TISCO, Adityapur, Bhagalpur.	—	—	—	Closed since Dec., 1983 due to uneconomic cost of production.

The Government have set a Core Group under the Chairmanship of Development Commissioner for Iron & Steel to draw up a revival strategy for closed electric arc furnace units. Though invited by the Core Group both the closed units did not participate in the meetings.

बोकारो स्टील संयंत्र में नियोजित विमान चालक

579. **श्री मूलचन्द मीणा:** क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बोकारो स्टील संयंत्र में कितने विमान चालक कार्यरत हैं तथा उन्हें स्टील अथॉरिटी द्वारा किन-किन स्थानों पर आवास उपलब्ध कराए गए हैं;

(ख) क्या किसी विमान चालक को पिछले चार वर्षों से स्टील अथॉरिटी अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड के बोकारो होटल का हक कमरा आवंटित किया हुआ है;

(ग) यदि हां, तो इसका भुगतान कौन कर रहा है;

(घ) किस नियम के अन्तर्गत कंपनी इस पर आने वाले खर्चों का वहन कर रही है और यह धनराशि कितनी है; और

(ङ) अथॉरिटी द्वारा नियम-विरुद्ध गैर-कानूनी तरीके से अब तक भुगतान करने के क्या कारण है और इसके लिये कौन-कौन व्यक्ति उत्तरदायी हैं और इस संबंध में क्या कार्रवाई की गई है?

इस्पात मंत्री और खान मंत्री (श्री बीरेन्द्र प्रसाद बैश्य): (क) से (ङ) बोकारो इस्पात संयंत्र में दो विमान चालक कार्यरत हैं दोनों विमान चालकों को क्रमशः फरवरी, 1995 और सितंबर, 1997 से बोकारो होटल में आवास उपलब्ध करवाया गया है। उनमें से एक, जो रांची से स्थानान्तरित होकर बोकारो आया था, के पास रांची में फैमिली क्वार्टर भी है। होटल के आवास का खर्च विमान चालकों द्वारा स्वयं वहन किया जाता है । यह खर्च कंपनी वहन नहीं कर रही है। तथापि यह कुल धनराशि 26,275.00 रुपए है (31.10.1997 तक)।